भा.वा.अ.शि.प.-हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान

ICFRE-HIMALAYAN FOREST RESEARCH INSTITUTE

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद

Indian Council of Forestry Research & Education)

(पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त निकाय)

(An Autonomous Body of the Ministry of Environment, Forest & Climate Change, Government of India)

मासिक अनुसंधान संगोष्ठी

भा.वा.अ.शि.प. – हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

दिनांक 30.10.2026 को आयोजित

मासिक अनुसंधान संगोष्ठी की श्रृंखला के अंतर्गत दिनांक **30 अक्टूबर, 2026** को **हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला** के सम्मेलन कक्ष में **"उत्तर-पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र के अल्पज्ञात पादपों की विविधता, वितरण, उपयोग एवं संरक्षण की स्थिति"** विषय पर एक व्याख्यान आयोजित किया गया। यह व्याख्यान **"आजीविका संवर्धन एवं आर्थिक विकास हेतु वनों एवं वन उत्पादों का प्रबंधन"** विषयवस्तु के अंतर्गत **श्री पी. एस. नेगी, वैज्ञानिक-ई,** वानिकी एवं वन प्रबंधन प्रभाग, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस संगोष्ठी में संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों, तकनीकी कर्मचारियों एवं शोधार्थियों ने भाग लिया।

मासिक अनुसंधान संगोष्ठी की अध्यक्षता **डॉ. मनीषा थपलियाल, निदेशक, भा.वा.अ.शि.प. – हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला** द्वारा की गई। कार्यक्रम के प्रारंभ में **डॉ. अश्वनी तपवाल,** समूह समन्वयक अनुसंधान ने संगोष्ठी में उपस्थित विभागाध्यक्षों, वैज्ञानिकों, तकनीकी अधिकारियों एवं शोधार्थियों का स्वागत किया और मासिक अनुसंधान संगोष्ठी के महत्व पर प्रकाश डाला ।

इसके पश्चात् **श्री पी. एस. नेगी** ने अपने व्याख्यान में भारत की समृद्ध जैव विविधता, विशेषकर हिमाचल प्रदेश, जम्मू एवं कश्मीर तथा केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के संदर्भ में वैश्विक एवं राष्ट्रीय परिदृश्य, अल्पज्ञात पादप प्रजातियों के वितरण एवं उनके विभिन्न उपयोगों पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। उन्होंने निम्न, मध्य एवं उच्च पर्वतीय क्षेत्रों के आधार पर इन पादप प्रजातियों के वितरण की जानकारी दी। साथ ही, इनके संरक्षण में जनजातीय समुदायों की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी विशेष चर्चा की। प्रस्तुतकर्ता ने अल्पज्ञात पादप प्रजातियों की संरक्षण स्थिति का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने अल्पज्ञात पादप प्रजातियों की भविष्य की अनुसंधान रणनीतियों, भावी कार्ययोजना, अनुसंधान की रूपरेखा तथा विभिन्न संस्थानों के साथ समन्वय एवं सहयोगात्मक अनुसंधान की संभावनाओं पर भी

प्रकाश डाला। संगोष्ठी के दौरान प्रतिभागियों द्वारा पूछे गए विभिन्न प्रश्नों एवं तकनीकी विषयों का श्री पी. एस. नेगी ने विस्तारपूर्वक एवं संतोषजनक ढंग से उत्तर दिया।

In the series of Monthly Research Seminar, a talk on **"Diversity, Distribution, Usages and Conservation status of Lesser Known Plants of North-West Himalayan Region"** under the theme **"Managing forests and forests products for livelihood support and economic growth"** was delivered by **Sh. P. S. Negi, Scientist-E**, Silviculture and Forest Management Division**,** ICFRE-HFRI, Shimla on 30th October, 2026 in the conference hall of ICFRE-HFRI Shimla. The seminar was attended by Scientists, Officers, Technical staff and Research Scholars of the Institute.

Dr. Manisha Thapliyal, Director, ICFRE- HFRI chaired the proceedings of monthly research seminar. At the outset, **Dr. Ashwani Tapwal, GCR**, ICFRE-HFRI welcomed the presenter and participants. Thereafter, **Sh. P. S. Negi** elaborated the plant biodiversity of India across the altitudinal gradient, especially Himachal Pradesh, Jammu and Kashmir and Ladakh UT. He has also highlighted the distribution and uses of Lesser Known Plant species occurring in Lower, Mid and high hill of NW Himalaya and role of tribal communities in their conservation. He also discussed the future research strategies, Road Map, Networking research options in reference to Lesser Known Plant species of NW Himalaya. Sh. P.S. Negi comprehensively addressed the queries and technical points raised by the participants during the discussion.





****